तृतीय भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन

तृतीय भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन (आईएएफएस–।।।) का आयोजन 26–29 अक्तूबर, 2015 को नई दिल्ली में किया जा रहा है। इस श्रृंखला के पहले दो सम्मेलनों का आयोजन क्रमशः 2008 में नई दिल्ली में और 2011 में आदिस अबाबा में किया गया था। तृतीय भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन पहला ऐसा भारत–अफ्रीका सम्मेलन होगा, जिसमें उन सभी 54 अफ्रीकी देशों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है, जिनसे भारत के राजनयिक संबंध हैं।

भारत और अफ्रीका के बीच कूटनीतिक भागीदारी कई महत्वपूर्ण बातों के कारण संभव हो पाई है, जैसे–हिन्द महासागर के रास्ते समुद्री व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों की पुरानी परंपरा; अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के विशाल समुदाय की मौजूदगी, जोकि अफ्रीका के आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार है और इस संबंध को प्रगाढ़ बनाता है; साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद और रंगभेद के विरूद्ध हमारे महान नेताओं का साझा संघर्ष; एक ऐसी औचित्यसम्मत और निष्पक्ष अंतर्राष्ट्रीय तथा आर्थिक व्यवस्था की साझा मांग उठाना, जोकि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर विकासशील देशों के सरोकारों को लेकर संवेदनशील हो; तेजी से बढ़ते व्यापारिक और निवेश संबंध तथा भारत और अफ्रीका के विभिन्न देशों के बीच व्यापक और निरंतर बढ़ती साझेदारी तथा द्विपक्षीय मैत्रीपूर्ण संबंध।

विकास के प्रयोजनार्थ भारत–अफ्रीका की यह बहुआयामी साझेदारी समानता, मैत्री और एकजुटता की भावना पर आधारित है और विकासशील देशों के बीच सहयोग के सभी पहलुओं की परिचायक है। इसके अंतर्गत छात्रवृत्तियों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण के माध्यम से मानव संसाधन विकास; अनुदानों के माध्यम से वित्तीय सहायता तथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी सुविधाओं सहित विभिन्न लोकहित परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए रियायती ऋण उपलब्ध कराना; व्यापार के क्षेत्र में वरीयता; प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारियां; आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान मानवीय आधार पर वित्तीय तथा अन्य सहायता सामग्री आदि प्रदान करना; शांति बलों की तैनाती करना, जोकि विकास से जुड़े विभिन्न प्रकार के कार्य तथा मानवीय कार्य भी करते हैं; बहुपक्षीय मंचों पर साझा सरोकारों के विषय पर होने वाली वार्ताओं में सहयोग करना आदि शामिल हैं।

भारत और अफ्रीका के बीच हुए कुल व्यापार में पिछले 15 वर्षों के दौरान 20 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और पिछले 5 वर्षों के दौरान व्यापार का यह स्तर दोगुना होकर वर्ष 2014–15 में 72 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक जा पहुंचा है। भारतीय कंपनियों द्वारा अफ्रीका में किए जाने वाले निवेश की मात्रा में भी काफी वृद्धि हुई है और वर्तमान में यह अनुमानतः 30 से 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आस–पास है।

द्वितीय भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन के बाद से अब तक अफ्रीकी देशों को 24000 से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की जा चुकी हैं। इनमें 300 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रदान की गई छात्रवृत्तियां शामिल हैं, जिनका आयोजन 60 संस्थाओं में किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विश्वविद्यालयों में उच्चतर शिक्षा हेतु भी छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं ।

पिछले एक दशक के दौरान, भारत सरकार द्वारा 40 से अधिक अफ्रीकी देशों में लगभग 140 परियोजनाओं के लिए रियायती दरों पर लगभग 9 बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण अनुमोदित किया गया। इसमें न्यूनतम विकसित देशों (एलडीसी) और लघु द्वीप विकसित राष्ट्र (एसआईजेएस) भागीदारी देशों पर उनकी विशेष चुनौतियों और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष ध्यान दिया गया है। अब तक लगभग 60 परियोजनाओं को पूरा किया जा चुका है।

तृतीय भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन का आयोजन इस वर्ष किया जा रहा है, जोकि संयुक्त राष्ट्र की 70वीं वर्षगांठ का वर्ष भी है। यह सम्मेलन, अफ्रीकी एकजुटता और अफ्रीकी पुनर्जागरण के 50 वर्ष पूरे होने के बाद होने वाला पहला सम्मेलन है और इसका आयोजन अफ्रीकी संघ द्वारा ऐतिहासिक एजेंडा 2063 को अपनाए जाने के तत्काल बाद होने जा रहा है। यह सम्मेलन पिछले वर्ष समूह 77 की ऐतिहासिक 50वीं वर्षगांठ के बाद आयोजित होने वाला पहला सम्मेलन भी होगा। इसका आयोजन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दीर्घकालिक विकास हेतु अपनाए गए एजेंडा 2030 की शुरूआत के कुछ ही सप्ताह बाद होगा। इससे कुछ महीने पहले ही आदिस अबाबा में विकास हेतु वित्त व्यवस्था पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। 2015 के ही दौरान, पेरिस में जलवायु परिवर्तन को लेकर संयुक्त राष्ट्र के विशेष संघ, यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के पक्षकारों (सीओपी 21) का 21वां सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें जलवायु परिवर्तन को लेकर 2020 के बाद के समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। साथ ही इसी वर्ष नैरोबी में विश्व व्यापार संगठन की भी बैठक होगी। भारत और अफ्रीका ने गरीबी उन्मूलन के लिए समावेशी आर्थिक विकास और दीर्घकालिक विकास के लिए पर्याप्त संसाधनों के आबंटन के उद्देश्य से अपनी मुख्य प्राथमिकताओं को लेकर पारस्परिक समझ विकसित की है।

तृतीय भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन, भारत और अफ्रीका के बीच की पुरानी मैत्री के महत्व को रेखांकित करने के साथ–साथ आपसी कूटनीतिक भागीदारी की भावी दिशा निर्धारित करने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

डाक विभाग, तृतीय भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन के आयोजन के उपलक्ष्य में स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :–

मूलपाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण	:	सुरेश कुमार
विरूपण	:	अलका शर्मा

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा (4), 2500 पैसा (2) 500 p (4), 2500 p (2)
मुद्रित डाक–टिकटें Stamps Printed	: :	5.0 लाख प्रत्येक 0.5 Million Each
मिनिएचर शीट Miniature Sheet	: :	2.0 लाख 0.2 Million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00